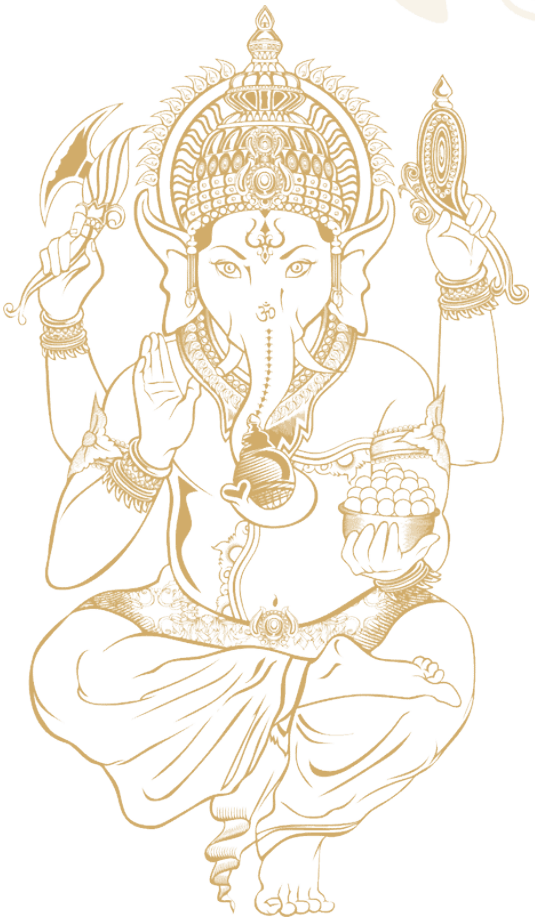

Kartik Mahak

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121833606

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/09/2001	जन्म तिथि	19/11/2002
बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 18:10:00	जन्म समय	18:15:00 घंटे
घटी 30:13:34	जन्म समय(घटी)	28:40:09 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Dimapur
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	25:54:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	93:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	00:45:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:34	सूर्योदय	05:39:51
18:29:47	सूर्यास्त	16:24:44
23:52:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:33

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 2वर्ष 9मा 14दि	20:14:40	कुंभ	लग्न	मिथु	01:58:02	सूर्य 5वर्ष 9मा 2दि
शनि	25:56:19	सिंह	सूर्य	वृश्चि	03:06:56	राहु
27/06/2020	17:55:59	मिथु	चंद्र	मेष	27:12:25	22/08/2025
28/06/2039	08:05:32	धनु	मंगल	कन्या	28:21:32	23/08/2043
शनि 01/07/2023	21:37:06	कन्या	बुध	वृश्चि	06:11:24	राहु 04/05/2028
बुध 10/03/2026	17:51:27	मिथु	गुरु	कर्क	23:50:50	गुरु 28/09/2030
केतु 19/04/2027	25:43:45	कर्क	शुक्र व	तुला	06:13:31	शनि 04/08/2033
शुक्र 19/06/2030	20:54:09	वृष	शनि व	मिथु	03:51:30	बुध 21/02/2036
सूर्य 01/06/2031	09:13:23	मिथु व	राहु व	वृष	14:45:35	केतु 11/03/2037
चन्द्र 30/12/2032	09:13:23	धनु व	केतु व	वृश्चि	14:45:35	शुक्र 11/03/2040
मंगल 08/02/2034	27:55:42	मक व	हर्ष	कुंभ	01:06:56	सूर्य 02/02/2041
राहु 15/12/2036	12:26:55	मक व	नेप	मक	14:33:19	चन्द्र 04/08/2042
गुरु 28/06/2039	18:46:18	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	22:47:25	मंगल 23/08/2043

लग्न-चलित

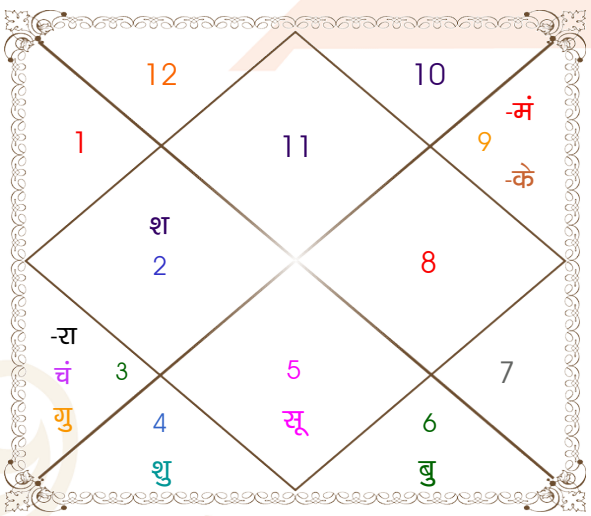

लग्न-चलित

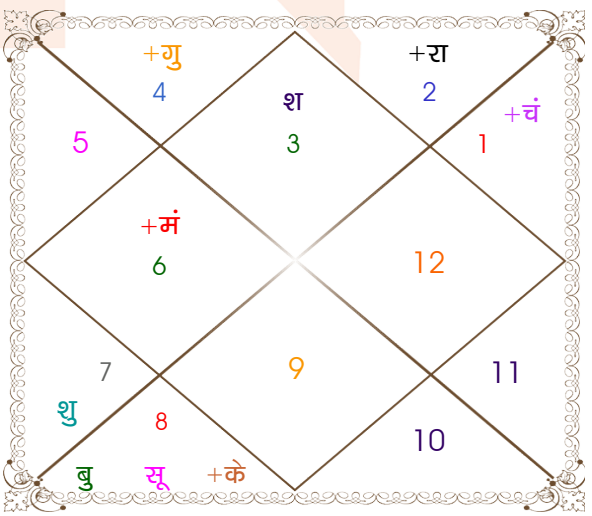

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

झंतजपा का वर्ग सिंह है तथा डींा का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झंतजपा और डींा का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

झंतजपा मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डींा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि झंतजपा कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल झंतजपा कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

झंतजपा तथा डींा में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।